डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 49 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 01 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

## साल के अंतिम दिन से नए साल की शुरुआत के 4 दिनों तक छुट्टी

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** दिसंबर का महीना आ गया है। लोगों को विंटर वेकेशन का इंतजार है। इस बार मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में सार्वजनिक छुट्टियों का ऐलान कर दिया है। दिसंबर में घोषित इन छुट्टियों में 25 दिसंबर के सार्वजनिक अवकाश के साथ ही 31 दिसंबर साल के आखरी दिन से साल की शुरुआत के चार दिन अर्थात 4 जनवरी तक सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है।

**स्कूल रहेंगे बंद**–मध्य प्रदेश सरकार की ओर से जारी किए गए विंटर वेकेशन के आदेश के मुताबिक प्रदेश के सभी स्कूलो में 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक अवकाश रहेगा।

### 25 दिसंबर को क्रिसमस का अवकाश...

बता दें कि मध्य प्रदेश समेत देशभर में 25 दिसंबर को क्रिसमस के त्यौहार के लिए सार्वजनिक अवकाश रहेगा। बैंकों और स्कूलों में छुट्टी के साथ ही सरकारी कार्यालय भी बंद रहेंगे।

# लोकायुक्तः उपनिरीक्षक का छर्रा रिश्वत लेते धराया, दोनों पर प्रकरण दर्ज

### पिछले 12 दिनों में हुई कार्रवाई...

✻11 दिन पहले उज्जैन लोकायुक्त पुलिस ने मंदसौर जिले में पटवारी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पारिवारिक बंटवारे के संबंध में हल्का नंबर 42 के पटवारी जगदीश पाटीदार ने उनसे 25 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। पटवारी ने ये रकम तहसीलदार के नाम पर मांगी थी।

✻आठ दिन पहले उज्जैन लोकायुक्त पुलिस ने मंदसौर के ड्रग इंस्पेक्टर के लिए मेडिकल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष को 26 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने मेडिकल स्टोर का लाइसेंस बनाने के एवज में रिश्वत की मांग की थी।

✻एक दिन पहले सीबीआई भोपाल की टीम ने नारकोटिक्स के एसआई को रिश्वत के आरोप में पकड़ा। कर्मचारियों ने रिश्वत के नाम पर मांगे गए रुपए लिए। पट्टा नामांतरण के नाम पर डेढ़ लाख की रिश्वत मांगी गई थी।

✻शनिवार 30 नवंबर को लोकायुक्त पुलिस ने पुलिस एसआई के लिए रिश्वत ले रहे उसके साथी को पकड़ा।

**गरोठ, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले के सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी चरमसीमा पर पहुंच गई है। इसका अंदाजा 12 दिनो में हुई कार्रवाई से लगाया जा सकता है। जिसमें पटवारी, ड्रग इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स और पुलिस विभाग के रिश्वतखोर अधिकारी रिश्वत लेते हुए जांच एजेंसियों के चंगुल में रंगे हाथों धराए है। शुक्रवार को जहां सीबीआई की टीम ने नारकोटिक्स विभाग के एसआई को रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। वहीं दूसरे दिन शनिवार को एक पुलिस वाले का रिश्वतखोरी वाला चेहरा उजागर हुआ। जिसमें लोकायुक्त की टीम ने पुलिस वाले के सहयोगी को रिश्वत के रुपए लेते हुए पकड़ा। गरोठ में पदस्थ एसआई ने मारपीट के मामले में कार्रवाई नहीं करने को लेकर 75 हजार रुपए की मांग की थी। पहली किश्त के रूप में 30 हजार रुपए लेते हुए रिश्वतखोर एसआई के एक साथी को लोकायुक्त ने दबोच लिया। मामले में उप निरीक्षक व उसके साथी दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार राजेंद्रसिंह निवासी वारनी ने लोकायुक्त को शिकायत की। जिसमें उसने बताया कि मारपीट के मामले में कार्रवाई नहीं करने को लेकर एसआई सुभाष गिरी ने 75 हजार रुपए की डिमांड की है। लोकायुक्त ने छानबीन की। जिसमें रिश्वत की मांग की जाने की शिकायत सही पाई गई। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी गई। पहली किश्त के रूप में 30 हजार रुपए देना तय हुआ था। यह किश्त की राशि लेते हुए एसआई के साथी श्याम सिंह निवासी डीडोर तहसील गरोठ को गरोठ सर्किट हाउस पर गिरफ्तार किया गया।

लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि यह रिश्वत थाना गरोठ के उपनिरीक्षक सुभाष गिरी द्वारा मारपीट के प्रकरण में कार्यवाही नहीं करने के एवज में मांगी गई थी। यह राशि उपनिरीक्षक गिरी ने श्याम सिंह को देने को कहा। कुल 75 हजार रूपये रिश्वत मांगी गई थी जो आज पहली किश्त के 30 हजार रूपये आवेदक ने जैसे ही श्यामसिंह को दिए। आसपास तैनात लोकायुक्त दल ने उसको रंगे हाथ पकड़ लिया। उपनिरीक्षक के साथ षड़यंत्र पूर्वक श्याम सिंह ने रिश्वत की राशि ली। आरोपी उपनिरीक्षक सुभाष गिरी एवम् श्याम सिंह के विरुद्ध धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988(संसोधन 2018) एवम् 61(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 केअधीन प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। कार्रवाई में लोकायुक्त के प्रधान आरक्षक हितेश लालावत, आरक्षक संदीप कदम, श्याम शर्मा, उमेश जाटव, अनिल अटोलिया, नीरज राठौर सहित 10 सदस्यों की टीम ने भाग लिया।

मामला सीबीआई टीम द्वारा रिश्वतखोरी मामले में नारकोटिक्स अधिकारी को पकड़ने का...

# अफीम की खेती नहीं करेगा बद्रीलाल

**✻ बोले, अब पट्टा मिला और अफीम बोई तो किसी भी मामले में जबरन फंसा देगी सीबीएन ✻ सांसद ने वीडियो जारी किया, बोले– रिश्वत ना दें किसान**

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने मंदसौर नारकोटिक्स कार्यालय में पदस्थ कांतिलाल पाटीदार और रामनिवास सोलंकी को 1 लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा था। दोनों कर्मचारियों ने सब इंस्पेक्टर अभिषेक अग्निहोत्री के लिए किसान से रिश्वत के रुपए लिए थे। शनिवार को कांग्रेस विधायक विपिन जैन के साथ किसान बद्रीलाल धाकड़ ने मीडिया को बताया कि उनके पिता के नाम का अफीम लाइसेंस का नाम हस्तांतरण करने के लिए केंद्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो मंदसौर में पदस्थ सब इंस्पेक्टर अभिषेक अग्निहोत्री ने डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। सौदा 1 लाख 20 हजार में तय हुआ, यह रुपए मुखिया को देना थे। जिसमें 10 हजार कमीशन मुखिया का था। किसान बद्रीलाल ने मुखिया को रुपए देने ने मना कर दिया। उसने एसआई को भरोसे में लिया और मुखिया का कमीशन हटा के 1 लाख 10 हजार रुपए सीधे एसआई को देने के लिए तैयार कर लिया।**

### ट्रैप का पता चलते ही भागा एसआई...

शुक्रवार की दोपहर में प्लान के मुताबिक किसान रुपए लेकर नार्कोटिक्स कार्यालय के खंड 1 में पहुंचा। यंहा एसआई अभिषेक ने रुपए अपने अधीनस्थ कर्मचारी कांतिलाल पाटीदार और रामनिवास सोलंकी को देने को कहा। दोनों कर्मचारियों ने रिश्वत के रुपए हाथों में लिए, उसी दौरान एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों ने पकड़ लिया। सीबीआई टीम को देख एसआई मौका देख कर फरार हो गया। सीबीआई टीम ने उसे मुख्य आरोपी बनाया है।

### सांसद ने वीडियो जारी कर कहा रिश्वत ना दें...

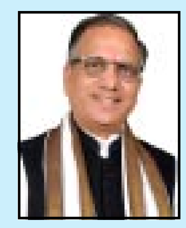

एसीबी की कारवाई के बाद देर रात सांसद सुधीर गुप्ता ने एक वीडियो जारी किया। जिसमें वह किसानों से अपील करते हुए कह रहे है कि कोई अधिकारी रिश्वत की डिमांड करें, तो मुझे बताए। नार्कोटिक्स अधिकारी का काम केवल यह देखना है कि अफीम डोडे में चीरा लगा है या नहीं। इधर, किसान बद्रीलाल धाकड़ ने कहा कि सांसद की पहल अच्छी है, लेकिन वे विश्वास दिलाए तो कई किसानों को सामने ला सकता हु जिन्होंने अधिकारियों को मुखिया के जरिए रिश्वत दी है। किसान शपथ पत्र तक देने को तैयार है।

### अब अफीम की खेती नहीं करना...

एसआई को ट्रैप कराने वाले किसान ने कहा कि अब उन्हें लाइसेंस मिल भी जाए तो वे अफीम की खेती नही करेंगे। क्योंकि, अगर उन्होंने अफीम की खेती की तो नार्कोटिक्स अधिकारी बदला लेने के लिए उन्हें किसी भी तरह के प्रकरण में फंसा देंगे और उस पर एनडीपीएस का मामला लाद देंगे। इसलिए अब वो अफीम की खेती नहीं करेंगे।

## मोबाइल शॉप में चोरी, वीडियो वायरल

**मनासा, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर सीसीटीवी कैमरे का एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें एक व्यक्ति मोबाइल शॉप से दुकानदार की नजर बचाकर मोबाइल चुरा कर ले जाता नजर आ रहा है। वहीं मोबाइल चोरी की घटना पता चलने पर मोबाइल शॉप संचालक ने इस संबंध में मनासा पुलिस थाने में शिकायती आवेदन दिया है।

घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है। मनासा बस स्टैंड रोड स्थित श्रीमाल मोबाइल दुकान पर एक आदमी आता है। वह दुकानदार से मोबाइल खरीदने की बात कह कर मोबाइल के बारे में काफी जानकारी लेता है। इस दौरान उसके हाथ में एक बड़ा थैला भी होता है। कुछ देर दुकानदार को अपनी बातों में उलझा कर बदमाश तत्परता से दुकान के काउंटर का दरवाजा खोल, अंदर रैक पर रखे मोबाइल का पैकेट उठाकर बाहर चला जाता है। हालांकि दुकानदार को इस बारे में पता नहीं चला। जब दुकानदार रैक में रखा मोबाइल गायब पाता है, तब सीसीटीवी कैमरा चेक करने पर इस घटना के बारे में उसे पता चलता है। सीसीटीवी वीडियो के आधार पर पीड़ित दुकानदार ने मनासा थाने पहुंचकर अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई हैं। पुलिस इस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है। घटना से जुड़ा सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

# परीक्षा परिणाम सुधारने शिक्षकों का प्रशिक्षण

**[ विज्ञान के 180 शिक्षक हुए शामिल ]**

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** माध्यमिक शिक्षा मंडल एमपी बोर्ड की कक्षा 9वीं और 10वीं में विज्ञान विषय पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण नूतन हाई स्कूल के सभागृह में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के करीब 180 विज्ञान शिक्षकों ने सहभागिता की। मास्टर ट्रेनर कीर्ति सक्सेना व बलवंत भंडारी द्वारा डी और ई- ग्रेड के विद्यार्थियों को किस तरह एबीसी ग्रेड में लाया जाए उसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत प्राप्त हो, इसके लिए वन लाइनर प्रश्न पत्र हल करवाने, रिमेडियल अभ्यास पुस्तिकाओं पर फोकस करने को प्रेरित किया गया। मास्टर ट्रेनर श्रीमती कीर्ति सक्सेना ने डी और ई ग्रेड के विद्यार्थियों को 3 डीओ कॉन्सेप्ट के माध्यम से पढ़ाने पर जोर दिया। जिसमें डिफरेंस, डायग्राम, डेफिनेशन और ऑब्जेक्टिव की अलग से कॉपी बनवाकर तैयारी करवाने को प्रेरित किया। साथ ही मास्टर ट्रेनर बलवंत भंडारी ने विज्ञान विषय को शार्ट ट्रिक के माध्यम से कैसे याद रखा जाए, उससे संबंधित कई रोचक जानकारियां, कहानियां और ट्रिक के माध्यम से दी। साथ ही शिक्षकों का ऑनलाइन प्री टेस्ट और पोस्ट टेस्ट भी लिया गया। दरअसल त्रैमासिक परीक्षा परिणाम पर समीक्षा कर अर्धवार्षिक परीक्षा में गुणात्मक रूप से वृद्धि हो, उसका लक्ष्य शिक्षकों को दिया गया। साथ ही सभी शिक्षक साथियों के सहयोग और अनुभवों को साझा करते हुए डी और ई-ग्रेड के विद्यार्थियों के लिए प्रश्न पत्र तैयार किया गया। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को एबीसी ग्रेड में लाने का सतत प्रयास जारी रहेगा।

## नींद से जागी यातायात पुलिस, की कार्यवाही

**मंदसौर शहर के गांधी चौराहा क्षेत्र में यात्री बसों का आना-जाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद भी रोजाना सुबह-शाम गांधी चौराहा से होकर यात्री बसे गुजर रही है। शनिवार सुबह यातायात प्रभारी के साथ टीम ने तीन बसों को रोककर उनमें से सवारी उतार कर बसे यातायात थाने में खड़ी करवाकर चालानी कार्यवाही की गई।**

# अब सीएम-मंत्रियों को सलामी नहीं देगी पुलिस

**भोपाल, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश में अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही परंपरा को खत्म करते हुए गृह विभाग द्वारा बड़ा फैसला लिया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पुलिस विभाग के जरिए दी जाने वाली सलामी परेड को हमेशा के लिए खत्म कर दिया गया है। पुलिस विभाग द्वारा जारी आदेश में लिखा गया है की, 'सलामी अंग्रेजों की याद दिलाती है।' बता दें कि पुलिस विभाग द्वारा जारी इस आदेश का कड़ाई से पालन करवाने के लिए भी फरमान जारी कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश में लंबे समय से पुलिस प्रदेश के सीएम और मंत्रियों के लिए सलामी परेड करती आ रही थी। अब इस व्यवस्था को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया गया है। विशेष पुलिस महानिदेशक शैलेश सिंह की ओर से कहा गया है कि सलामी खत्म करने को लेकर जारी हुए इस आदेश का पूरी कड़ाई के साथ पालन कराया जाएगा। क्योंकि, इसके तहत पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी पर खास प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि, सलामी प्रथा से अंग्रेजों की याद आती है। इस तरह सलामी लेना असंवैधानिक है, जो उपनिवेशवाद को दर्शाता है। पुलिस विभाग एक अनुशासित विभाग है। इस विभाग में आदेश का उल्लंघन करना गलत प्रभाव डालता है।

### महामहिम को दी जाएगी सलामी...

बता दें कि जारी आदेश में सलामी परेड की व्यवस्था को सिर्फ सीएम और मंत्रियों के लिए खत्म किया गया है। वही प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के लिए यह परंपरा पहले की तरह ही चलती रहेगी।

# पैतालिस बैग डोडाचूरा बरामद, दो गिरफ्तार

**नीमच, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जावरा के अधिकारियों ने चित्तौड़गढ़-बारां हाईवे पर कोटा हैंगिंग ब्रिज के पास नयागांव टोल प्लाजा पर एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन और उसके सवारों को रोका। शुक्रवार 29 नवंबर 2024 को की गई इस कार्रवाई में कुल 45 बैग पोस्त तिनका (पॉपीस्ट्रॉ) बरामद किया गया, जिसका वजन 911.540 किलोग्राम है।**

विशेष खुफिया जानकारी प्राप्त हुई थी कि राजस्थान पंजीकरण संख्या वाली एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप में दो व्यक्ति मंदसौर क्षेत्र से बीकानेर (राज.) क्षेत्र की ओर पोस्त तिनका ले जा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर सीबीएन जावरा इकाई की एक टीम का गठन किया गया और उसे 27 नवंबर 2024 की रात को रवाना किया गया। संदिग्ध मार्ग पर 36 घंटे से अधिक समय तक सघन निगरानी रखी गई। 29 नवंबर 2024 की सुबह नयागांव टोल प्लाजा कोटा राजस्थान पर संदिग्ध वाहन की पहचान की गई। वाहन की पहचान के बाद सीबीएन अधिकारियों ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन ड्रग तस्करों ने विभागीय वाहन को सीधी टक्कर मार दी। उसके बाद उन्होंने वाहन को रिवर्स कर पीछे खड़ी एक नागरिक गाड़ी को भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। फिर से आगे बढ़ते हुए तस्करों ने सीबीएन वाहन से सीधी टक्कर मार दी, जो उनकी राह रोकने के लिए खड़ा था। तस्करों ने मौके से भागने की भी कोशिश की, लेकिन सीबीएन के सतर्क अधिकारियों ने उनकी यह कोशिश नाकाम कर दी। वाहन की गहन तलाशी लेने पर 45 बैग डोडाचुरा जिसका वजन 911.540 किलोग्राम था, बरामद हुआ। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद पोस्त तिनका और वाहन को जब्त कर लिया गया है। साथ ही, दो व्यक्तियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

# इतनी दूरदर्शिता और बारीक समायोजन की दक्षता सिर्फ भाजपा में नजर आ रही है...

**मंदसौर/उज्जैन, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** वर्ष 2024 अलग-अलग राज्यों और लोकसभा चुनाव होने के कारण चुनावी वर्ष कहा जा सकता है।.इस वर्ष एनडीए ने तीसरी बार केंद्र में सरकार बना ली है साथ में इस बार इंडिया गठबंधन ने भी अपनी सीटे बढ़ाकर नेता विपक्ष का पद पा लिया है। इधर अधिकांश राज्यों में भाजपा और भाजपा समर्थित सरकारें बनी हुई है। इसी में इजाफा होने जा रहा है देश की आर्थिक राजधानी महाराष्ट्र की सरकार बनाकर, बना ही ली है बस मंत्रिमंडल की घोषणा करना बाकी रहा है। वह भी 24 घंटे में हो जाने की संभावना है।

दरअसल 23 नवंबर को मतगणना के बाद भाजपा को संख्या बल में मिले स्पष्ट बहुमत से ही तय हो गया था। इसके बाद भी भाजपा की दूरदर्शिता है कि जब आर्थिक राज्य में स्पष्ट बहुमत पाने के बाद भी किसी भी विधायक को संगठन में मुख्यमंत्री बनाने की कोई हड़बड़ी नहीं है। आज सातवां दिन गुजर जाएगा। इस तरह का विलंब करने से भाजपा संगठन को कमजोर कहने वालों में मैं भी शामिल हूं। बावजूद इसके इस बात का प्रशंसक भी हूं कि भाजपा का हाईकमान द्वारा बहुत विचार विमर्श के बाद दूरदर्शी योजना को अंजाम देकर निर्विवाद और वर्तमान राजनीतिक संगठन पर पकड़ बनाए रखने योग्य नेतृत्व को चाणक्य की तरह चंद्रगुप्त को खोजा जा रहा है, यही महाराष्ट्र में हो रहा है। वरना स्पष्ट दो तिहाई बहुमत तो दूसरे संगठन के शीर्ष नेतृत्व के सर चढ़कर बोलता है। और निर्णय अप्रसांगिक उदाहरण बनते हैं,

चन्द्रमोहन भगत

जैसे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के अशोक गहलोत अगर विचार कर दूरदर्शिता का सहारा लिया होता तो दोनों राज्यों में सरकार फिर से बन जाती। मध्यप्रदेश में भी प्रचार प्रमुख थे, ज्योतिरादित्य सिंधिया पर मुख्यमंत्री बनाया कमलनाथ को, इस निर्णय का हश्र सभी को दिख रहा है समाप्ति की ओर बढ़ती कांग्रेस।

इसके विपरीत जब भाजपा को बहुमत मिला तो नई नस्ल को ताकतवर बना दिया। राजस्थान में भजन लाल शर्मा तो छत्तीसगढ में विष्णुदेव साय। यही अनुमान महाराष्ट्र के लिए लगाया जा रहा है कि किसी नए युवा को अवसर देकर लंबे समय तक महाराष्ट्र पर सत्ता बनाए रखने का विजन तैयार किया जा रहा है। नया नाम कोई भी हो सकता है, महिला को बनाना हो तो पंकजा मुंडे जैसा नाम, पुरुष में मुरलीधर मोहोल दोनों पिछड़ा वर्ग से आते हैं। मोहोल को मुख्यमंत्री बनाने से मनोज जरांगे के मराठा आंदोलन को भी शिथिल किया जा सकेगा। इसके अलावा महाराष्ट्र भाजपा में हमेशा ही शीर्ष नेतृत्व पाने के लिए मराठा और ब्राह्मण में अदृश्य स्पर्धा चलते रहने से संगठन को कुछ क्षेत्र पर नुकसान भी उठाना पड़ता रहा है। नए नाम, नए चेहरे के कारण किसी भी वर्ग में किसी भी प्रकार की स्पर्धा नहीं रहेगी। मुरलीधर पहली बार के सांसद हैं, इसलिए किसी गुट की उपज भी नहीं माने जाते हैं, वे सिर्फ भाजपा के सैनिक कहलाते हैं।

बहरहाल बहुमत पा चुकी भाजपा का शीर्ष नेतृत्व बहुत ही सूक्ष्मता से लंबे समय तक महाराष्ट्र में शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस को कोने में समेटे रखने जैसा माद्धा रखने वाले नेता को ही मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वरना बहुमत तो इतना है कि किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री बनाएंगे, तब भी सरकार अच्छे से चल जाएगी। पर जैसा नजर आ रहा है की श्रेष्ठतम नेता चयन के लिए यह समय लग रहा है, इसके लिए भाजपा संगठन अपने और गैर आलोचकों को भी आलोचना का अवसर दे रहा है। सिर्फ इसलिए की बहुमत देने वाले जनमत की सरकार उनकी अपेक्षा अनुसार चलाने वाला श्रेष्ठतम नायक उन्हें मिले..।

विचार-मंथन

# पुरानी प्रणाली की ओर लौटने की मांग...

मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग को जिन तर्कों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है, वे गौर करने लायक हैं। ईवीएम को खारिज कर पुरानी प्रणाली की ओर लौटने की मांग उठी है और महाराष्ट्र चुनाव में कुछ घटनाओं का जिक्र कर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन झारखंड के नतीजों का तर्क सामने आते ही वे बेमानी हो गए। दरअसल, अब तक ऐसा अकाट्य प्रमाण सामने नहीं लाया जा सका है, जिससे कहा जा सके कि वर्तमान प्रणाली किसी अपूरणीय कमी से ग्रस्त है और बड़े बदलाव की जरूरत है। इससे पहले भी शीर्ष अदालत ने ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) के माध्यम से डाले गए मतों के सौ फीसद सत्यापन की मांग को ठुकरा दिया था। अदालत ने तब ही स्पष्ट कर दिया था कि मतपत्रों की ओर लौटना वास्तव में प्रतिगामी होगा और चुनाव प्रक्रिया में मतपत्रों से जुड़ी जो गड़बड़ियां खत्म की जा चुकी हैं, वे दोबारा सामने आ जाएंगी। भारतीय लोकतंत्र इस बात का साक्षी रहा है कि हमेशा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग सूझबूझ और विवेक के साथ किया है। उदाहरण के लिए, कई राज्यों में बार-बार देखा गया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए लोग अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए मतदान करते हैं, भले ही चुनाव एक साथ ही क्यों न हों। ऐसे में सवाल क्यों उठ रहे हैं। यही सरकारी संस्थानों की शुचिता की बात आ जाती है। अक्सर चुनाव आयोग पर सवाल उठे। विपक्ष की शिकायतों पर सुनवाई करने के नाम पर साफ दिखा कि प्रक्रिया का पालन तो किया गया, लेकिन मुद्दों को लेकर गंभीरता कम रही। विपक्ष को मौका मिला आयोग पर सवाल उठाने का, जिससे शक बढ़ा। मतदान के आंकड़ों में बार-बार बदलाव, मतदान के दिन कई शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने की खबरों से संदेह तो बढ़ा ही। इस बार महाराष्ट्र में ईवीएम के 90 फीसद चार्ज रहने का मुद्दा विपक्ष ने उठाया। यह मुद्दा राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह गया। दरअसल, चुनाव आयोग हर बार तकनीकी पक्ष को लेकर बयान दे देता है। आयोग का कहना है कि ईवीएम को विश्वसनीय बनाने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। दावों-प्रतिदावों को छोड़ उचित यह होगा कि विपक्ष ईवीएम में हेरफेर के बारे में अपनी पुरानी बयानबाजी छोड़ दे और उन संभावित राजनीतिक कारणों पर विचार करे जो उसकी चुनावी हार का कारण बन रहे हैं। चुनाव सुधारों पर बात होनी चाहिए, जो सतत प्रक्रिया है। इसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को अपने मुद्दे तय करने, उनको लेकर जनता में जाने की जरूरत होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के बीच जाना मुख्य शर्त है। दूसरे, सुप्रीम कोर्ट या निर्वाचन आयोग मतपत्रों से चुनाव की बात मौजूदा वक्त में स्वीकार नहीं करेगा, यह जाहिर है। हालांकि दुनिया के कई देशों ने ईवीएम से किनारा कर लिया है। लेकिन भारत अभी बाकी दुनिया की राह पर नहीं चलना चाहता। समय और संसाधन की बचत जैसे तर्क ईवीएम के पक्ष में दिए जाते हैं। ऐसे में यह विचारणीय मुद्दा खड़ा हो जाता है कि समय और संसाधन बचाते हुए हम लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े कुछ सवालों की अनदेखी तो नहीं कर रहे?

# भारत-चीन संबंधों में आई नरमी का असर श्रीलंका पर क्यों पड़ रहा है?

**अरुनिम भुइयां**

पिछले महीने लद्दाख सीमा विवाद के समाधान के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में आई नरमी का असर अब श्रीलंका पर भी दिखने लगा है। जहां दोनों एशियाई दिग्गज रणनीतिक प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह इस बात से स्पष्ट है कि कि श्रीलंका में चीनी राजदूत ने अगले महीने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की भारत यात्रा का स्वागत किया है। इस साल सितंबर में पदभार संभालने के बाद दिसानायके की यह पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा होगी। इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीलंका के उत्तरी प्रांत जाफना की यात्रा के दौरान चीनी राजदूत क्यू झेनहोंग ने कहा कि चीन दिसानायके की भारत यात्रा का स्वागत करता है, क्योंकि ऐसा कदम श्रीलंका के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। जाफना प्रेस क्लब में क्यू ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे खबरों से पता चला है कि एक मंत्री ने कहा है कि राष्ट्रपति दिसानायके दिसंबर के मध्य में भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस नए घटनाक्रम को देखकर बहुत खुश है, क्योंकि भारत और श्रीलंका करीबी पड़ोसी हैं। जब दोनों देश संबंध और आर्थिक सहयोग का निर्माण करते हैं, तो वे देश के लोगों को अधिक लाभ पहुंचा सकते है। साथ ही, क्यू ने दिसानायके को अपनी सुविधानुसार चीन आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि हम महामहिम दिसानायके का अपनी सुविधानुसार चीन आने का भी स्वागत करते हैं, क्योंकि हमारा मानना है कि इस तरह की यात्रा हमारी पारंपरिक मित्रता को भी बढ़ाएगी, हमारे द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगी। लोगों को कई और लाभ पहुंचाएगी। क्यू की टिप्पणी इस बात को देखते हुए महत्वपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही हिंद महासागर के द्वीपीय राष्ट्र में भू-रणनीतिक प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे है। श्रीलंका भारत के प्रमुख विकास भागीदारों में से एक है और यह साझेदारी पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रही है। अकेले अनुदान की राशि लगभग 570 मिलियन डॉलर है, जबकि भारत सरकार की कुल प्रतिबद्धता 3.5 बिलियन डॉलर से अधिक है। श्रीलंका के साथ भारत की विकास साझेदारी की मांग-संचालित और जन-केंद्रित प्रकृति इस संबंध की आधारशिला रही है। अनुदान परियोजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, आवास और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में फैली हुई हैं। जब 2022 में श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, तो भारत ने लगभग 4 बिलियन डॉलर की सहायता प्रदान की। भारत ने श्रीलंका को अपने ऋण पुनर्गठन में मदद करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और लेनदारों के साथ सहयोग करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के दक्षिणी तट के करीब स्थित, श्रीलंका भारत के लिए बहुत बड़ा भू-रणनीतिक महत्व रखता है। भारत श्रीलंका पर चीन के बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करता रहा है, जिसमें बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में चीनी निवेश और

हंबनटोटा बंदरगाह का विकास शामिल है। भारत चीन को उस क्षेत्र से दूर रखने की कोशिश कर रहा है जिसे नई दिल्ली अपने प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है। नेशनल पीपुल्स पावर गठबंधन के दिसानायके के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव के बाद भारत-श्रीलंका प्रतिद्वंद्विता भी ध्यान में आई। यह देखते हुए कि दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता हैं, जो एक वामपंथी राजनीतिक दल है, जो एनपीपी गठबंधन का मुख्य घटक है, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या कोलंबो अब नई दिल्ली के हितों की कीमत पर बीजिंग की ओर झुकेगा। हालांकि, सत्ता परिवर्तन के बावजूद भारत इस द्वीपीय देश के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखने में कामयाब रहा है। दरअसल, पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका का दौरा किया था। उन्होंने दिसानायके के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक की थी। इस प्रक्रिया में, दिसानायके के पदभार संभालने के बाद जयशंकर किसी भी देश के पहले विदेश मंत्री बन गए, जिन्होंने उनसे मुलाकात की। राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके की जीत के बाद, एनपीपी गठबंधन ने इस महीने की शुरुआत में हुए संसदीय चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की। एनपीपी की जीत उत्तरी प्रांत तक फैल गई, जहां लोग पारंपरिक रूप से तमिल पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को वोट देते हैं। संसदीय चुनाव के नतीजे आने के बाद राजदूत क्यू ने उत्तरी प्रांत का दौरा किया। इस बीच, पिछले महीने पूर्वी लद्दाख में चार साल पुराने सीमा विवाद के समाधान के बाद नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में गर्मजोशी आई है। इसके मद्देनजर, पिछले महीने रूस के कजान में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पिछले पांच सालों में दोनों नेताओं के बीच यह पहली ऐसी मुलाकात थी। इसके अलावा, इस सप्ताह की शुरुआत में जयशंकर ने रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत-चीन संबंधों का विश्व राजनीति में विशेष महत्व है। मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा कि हम बहुध्रुवीय एशिया सहित बहुध्रुवीय विश्व के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। जहां तक भारत का सवाल है, इसकी विदेश नीति सिद्धांतबद्ध और सुसंगत रही है, जो स्वतंत्र विचार और कार्रवाई से चिह्नित है। हम प्रभुत्व स्थापित करने के लिए एकतरफा दृष्टिकोण के खिलाफ हैं। भारत अपने संबंधों को अन्य देशों के चश्मे से नहीं देखता है। ऐसे में, दिसानायके की भारत की आगामी यात्रा का स्वागत करते हुए राजदूत क्यूई की टिप्पणियों को इन घटनाक्रमों के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के एसोसिएट फेलो और दक्षिण एशिया के विशेषज्ञ आनंद कुमार ने बताया कि राजदूत की टिप्पणियां भारत-चीन संबंधों में विकास के अनुरूप है। चीन श्रीलंका में भारत के साथ सह-अस्तित्व चाहता है क्योंकि श्रीलंका भारत का पड़ोसी है। कुमार ने कहा कि बीजिंग श्रीलंका में चीन के प्रभाव के प्रति नई दिल्ली के विरोध को कम करना चाहता है। श्रीलंका के पूर्व राजनयिक सुगीश्वर सेनाधीरा, जो चार पूर्व राष्ट्रपतियों और एक प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार रह चुके है, के अनुसार, श्रीलंका के साथ आर्थिक संबंधों के मामले में चीन की नीति भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने की नहीं है। सेनाधीरा ने कोलंबो से बताया कि चीन श्रीलंका में भारत के साथ साझेदारी करना चाहेगा। इस संबंध में सेनाधीरा ने हंबनटोटा बंदरगाह के नजदीक स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का जिक्र किया, जिसे ऋण राहत उपायों के तहत श्रीलंका ने 99 साल के पट्टे पर चीन को सौंप दिया था। एसईजेड का एक बड़ा हिस्सा चीनी कंपनियों को आवंटित किया गया है। सेनाधीरा ने कहा कि हालांकि, चीन चाहेगा कि भारतीय और अमेरिकी कंपनियां बांग्लादेश जैसे अन्य स्थानों से अपने कारखानों को हंबनटोटा आर्थिक क्षेत्र में स्थानांतरित करें। इससे हंबनटोटा बंदरगाह का उपयोग होगा।

# शरीर की अद्भुत क्षमता...

**अमिताभ स.**

इंसानी शरीर छोटी-बड़ी बीमारियों को ठीक करने की समूची क्षमता से लैस है। वैज्ञानिक शोध भी जाहिर करते हैं कि शरीर की हर सूक्ष्म कोशिका में भी एक पूरा 'रीसाइक्लिंग कंपाउंड' या कहें पुनर्चक्रण यौगिक बना होता है। कोशिकाओं में मौजूद पचास से ज्यादा एंजाइम पेट में खाने को पचा कर न केवल पूरी तरह से खाने की क्षमता रखते हैं, बल्कि नई कोशिका में तब्दील करने का हुनर भी जानते हैं। जानकार बताते हैं कि एंजाइम कोशिका भोजन पाचन सहित चयापचय के तमाम पहलुओं को उत्प्रेरित करती है। ये छह महीने पुराने गले-सड़े जहरीले होते अपचित खाद्य अंशों को भी खाने तक में सक्षम हैं। शरीर की वसा को भी खा या पिघला कर खत्म सकते हैं। इस हद तक कि नसों की रुकावटों को भी हटा कर खून का दौरा सुचारु कर सकते हैं। इनमें शरीर में मौजूद बुरे बैक्टीरिया, विषाणुओं, मृत, प्रोटीन बनाना बंद कर चुकी या फिर दोषपूर्ण प्रोटीन बनाने वाली कोशिकाओं को पूरी तरह से बाहर निकाल फेंकने का दमखम भी है। कुछ बिगड़ी कोशिकाएं बेकाबू व्यवहार करते-करते लाइलाज बीमारी का रूप अख्तियार कर लेती हैं। लाइलाज इसलिए क्योंकि चिकित्सा विज्ञान फिलहाल ऐसे रसायन नहीं बना सका है, जिनसे इनका शत-प्रतिशत इलाज हो सके। हालांकि शरीर में समूची समझ और क्षमता है कि खुद-ब-खुद किसी भी बीमारी को ठीक कर सके। सवाल उठता है कि शरीर में मौजूद तत्त्व बीमारियों को दुरुस्त कर सकते हैं, तो फिर करते क्यों नहीं! इन्हें रोक कौन देता है? वास्तव में इंसान खुद ही रोक रहा है। तोक्यो इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी के नोबेल विजेता वैज्ञानिक योशिनोरी ओशुमी की 2016 के शोध का निष्कर्ष है कि 'आटो फजी' नामक वैज्ञानिक प्रणाली के जरिए इंसानी शरीर की कोशिकाएं खुद को खाने लगें, ऐसी व्यवस्था में पहुंचना अत्यंत फायदेमंद है। 'आटो फजी' ग्रीक शब्द है। आटो यानी खुद-ब-खुद और 'फजी' मायने खाया जाए। इस मरम्मत या रखरखाव की प्रणाली को कैसे सुचारु रखा जाए? इस सवाल का हैरान करने वाला जवाब है- खाने का नागा करके! लेकिन बचपन से ही बताया गया है कि भोजन शरीर को जीवित रखने के लिए अति आवश्यक है। जैसे वाहन को चलने के लिए ईंधन की जरूरत होती है, वैसे ही शरीर को भोजन के तौर पर ऊर्जा चाहिए। दरअसल, खाना खाते ही 'आटो फजी' चालू नहीं होता,

क्योंकि विभिन्न खाद्य पदार्थों को पचाने में अलग-अलग वक्त लगता है। मिसाल के तौर पर, फल खाने के आधे से डेढ़ घंटे में पचते हैं। कच्ची सब्जियों को पचाने में दो से तीन घंटे लगते हैं। सब्जियों को पका कर खाएं, तो पाचन अवधि बढ़ कर तीन से पांच घंटे हो जाती है। चावल और गेहूं की रोटी खाने से पचने के बीच छह से आठ घंटे लग जाते हैं। जबकि पकाए हुए गोश्त को पचाने में चौबीस घंटे भी कम पड़ते हैं। अगर सुबह नौ बजे ऐसा कुछ खाया है, जिसे पचाने में आठ घंटे लगते हैं और फिर एक बजे दोपहर का भोजन कर लिया, यानी अभी तो पिछली पाचन प्रक्रिया जारी है, तो और खा लिया। फिर शाम चाय पी, रात फिर नौ बजे खाना। खाने की जल्दबाजी के चलते पाचन पूरा न होने की वजह से पुरानी कोशिकाओं के बदले नई कोशिकाएं बनने की गति नहीं बन पाती, जितनी जरूरत है। नतीजतन सुस्ती घेरे रहती है, त्वचा चमकहीन हो जाती है, मधुमेह या दिल की तकलीफ उभरने लगती है। आखिर कैसे 'आटो फजी' यानी कोशिकाओं के रखरखाव की प्रक्रिया शुरू हो? उपवास रखना सबसे बेहतर तरीका है। शायद इसीलिए हमारे पूर्वजों ने किसी न किसी धर्म-आस्था से उपवास जोड़ दिए हैं। जबकि वास्तविकता है कि व्रत की जरूरत भगवान से कहीं ज्यादा इंसान की सेहत को है। इसलिए हफ्ते में एक बार चौबीस घंटे के खाने-पीने के नागे के उपवास से शुरुआत की जा सकती है। मुश्किल लगे, तो पानी, नीबू पानी या फलों का जूस पीकर एक दिन रहा जा सकता है। शरीर थका-थका लगे या सिर दर्द होने लगे, तो चिंता नहीं करनी चाहिए। खुद को बीमार मत मान लेना चाहिए। ऐसे मामूली दुष्परिणाम उपवास रखने की वजह से ही होते हैं। झेल नहीं पा रहे, तो फल खा लेना चाहिए। हफ्ते में एक बार उपवास नहीं रख पा रहे, तो पखवाड़े या महीने या फिर तिमाही में ही एक बार रख लेना चाहिए।दूसरा तरीका है कि समयबद्ध तौर-तरीके से खाया-पिया जाए। रात सात या नौ बजे खाना खा लिया जाए, तो अगले दिन सुबह सात या नौ बजे ही नाश्ता करना चाहिए।

# बाकू में क्यों नहीं बन पाई बात, भारत ने लगाया हेरफेर का आरोप

अजरबैजान के बाकू में हालिया संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप 29) में जो जलवायु वित्तपोषण समझौता हुआ, उससे इतिहास की एक बड़ी प्रसिद्ध बात याद आती है। 1942 में महात्मा गांधी ने क्रिप्स मिशन की आलोचना करते हुए इसके प्रस्ताव को डूबते हुए किसी बैंक में आया 'एक आने का चेक' बताया था। दोनों बातों में बस एक फर्क है- महात्मा गांधी ने इस मिशन के प्रस्ताव को एक आने का चेक कहकर रिजेक्ट कर दिया था, जबकि आलोचना के बावजूद कॉप के वित्तपोषण समझौते को भारत सहित कई देशों ने अपना लिया है। यह मंजूरी बताती है कि जलवायु संकट दूर करने में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज सहित बाकी दुनिया ने जो कोशिशें की हैं, वे बड़े लेवल पर फेल हो गई हैं। बाकू सम्मेलन में विकासशील देशों ने 2030 तक क्लाइमेट इमरजेंसी से निपटने के लिए विकसित देशों से सालाना 1.3 ट्रिलियन डॉलर मांगे थे। प्रस्ताव में कम से कम 500 बिलियन डॉलर की सरकारी रकम शामिल थी, बाकी प्राइवेट सेक्टर से रियायती दरों पर दिए जाने की मांग थी। दो हफ्तों की विवादास्पद बातचीत के बाद अंतिम समझौते में विकसित देशों ने 2035 तक केवल 300 बिलियन डॉलर सालाना देने की बात कही। इसमें सरकारी पैसे का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह लिखा है कि यह किसी भी स्रोत से आ सकता है। पैसे जुटाने के स्रोतों के मामले में यह समझौता बेहद धुंधला वादा करता है। इससे भी खराब बात यह है कि यह समझौता विकसित देशों को विश्व बैंक जैसे मल्टिलैटरल डिवेलपमेंट बैंकों से जलवायु संबंधी कर्ज को मनी पूल के हिस्से के रूप में शामिल करने की अनुमति देता है। यानी विकसित देशों पर 2035 तक वर्तमान 100 बिलियन डॉलर सालाना से ज्यादा धनराशि देने का कोई दायित्व नहीं है। इस समझौते का राजनीतिक भविष्य भी अनिश्चित है, क्योंकि इस बात की बहुत कम संभावना है कि बाइडन प्रशासन ने जलवायु को लेकर जो भी प्रतिबद्धताएं की हैं, उनका ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन भी सम्मान करेगा। लब्बोलुआब यह है कि बाकू समझौता बताता है कि विकसित देश जलवायु परिवर्तन के समाधान से अपना हाथ झाड़ना चाहते हैं और जलवायु संकट की बढ़ती लागतों का सारा बोझ विकासशील देशों पर थोपना चाहते हैं। वैसे, इन सब चीजों से बहुत ताज्जुब नहीं होना चाहिए। 2009 में विकसित देशों ने 2020 तक क्लाइमेट फाइनेंस में सालाना 100 अरब डॉलर देने का वादा किया था, मगर पूरा किया 2022 तक। इसमें भी लगभग 70% हिस्सा मार्केट की महंगी दरों पर दिया कर्ज था। इससे विकासशील राष्ट्रों पर कर्ज का बोझ और भी बढ़ गया। उन देशों से खरबों डॉलर की उम्मीद करना हमेशा से ही अवास्तविक था, जो अरबों डॉलर देने में ही आनाकानी कर रहे थे। अब विकासशील देशों को क्लाइमेट फाइनेंस को लेकर नए उपाय करने होंगे। अब वैश्विक वित्तीय प्रणाली में मौलिक सुधारों की जरूरत है ताकि विकासशील देश जलवायु संकट से निपटने के काबिल बन सकें और सभी देशों को ठीक से सहयोग देने के लायक बनाने के लिए एनएफसीसीसी में सुधार किया जा सके। आज की वैश्विक वित्तीय प्रणाली कमजोर देशों के खिलाफ है। उदाहरण के लिए, गरीब अफ्रीकी देश कर्ज पर जिन ब्याज दरों का भुगतान करते हैं वे अमेरिका द्वारा भुगतान की जाने वाली दरों से चार गुना अधिक और धनी यूरोपीय देशों द्वारा भुगतान की जाने वाली दरों से आठ गुना अधिक हैं।

## गदगद फडनवीस, उदास शिंदे– रखी 12 मंत्री पद की मांग

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5433

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | 4 | | 6 | | |
| 9 | | | | | | | | 3 |
| 1 | | | | | 3 | | 4 | 5 |
| 5 | 6 | | | 7 | | 1 | | |
| | | 4 | 8 | | 5 | 9 | | |
| | | 1 | | 6 | | | 5 | 2 |
| 6 | 9 | | 5 | | | | | 1 |
| 4 | | | | | | | | 9 |
| | | 8 | | 9 | 6 | | | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5432

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 1 | 6 | 9 | 2 | 3 | 5 | 8 | 7 |
| 5 | 8 | 2 | 4 | 1 | 7 | 6 | 9 | 3 |
| 3 | 9 | 7 | 6 | 8 | 5 | 4 | 1 | 2 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 2 | 5 | 8 |
| 1 | 5 | 8 | 3 | 7 | 2 | 9 | 4 | 6 |
| 6 | 2 | 4 | 8 | 5 | 9 | 7 | 3 | 1 |
| 9 | 7 | 3 | 2 | 4 | 1 | 8 | 6 | 5 |
| 2 | 6 | 1 | 5 | 9 | 8 | 3 | 7 | 4 |
| 8 | 4 | 5 | 7 | 3 | 6 | 1 | 2 | 9 |

## वर्ग पहेली 5433

संकेत: बाएं से दाएं

1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निबंधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरी पत्नी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. [illegible] (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
16. [illegible] (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्लिम धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, गरजना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. गैर सरकारी, [illegible] (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)
9. माता, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने ऑस्ट्रिया देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट,उपहार, सौगात (4)
17. मुख्य आरक्षक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में संवारने के लिए लगाती है (3)

### वर्ग पहेली 5432 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| [illegible] | | [illegible] | [illegible] | [illegible] | | | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | |
| | [illegible] | | | [illegible] | | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | | [illegible] |

## आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

# जिला स्तरीय औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन कार्यशाला सम्पन्न

**नीमच, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** नीमच में जल्दीं ही औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन फेसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किया जाएगा। इसकी तैयारियां प्रांरभ हो गई है। इससे निवेशकों, उद्योगपतियों को सुविधा मिलेगी।यह जानकारी जिला प्रशासन द्वारा शनिवार को नीमच जिले में औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में दी गई।

जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अथक प्रयासों से शनिवार को जिला स्तरीय औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, श्री दिलीप सिह परिहार, श्री अनिरुद्ध मारू, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एसपी श्री अंकित जायसवाल, फेडरेशन आफ इंडियन एक्पोर्ट आर्गेनाईजेशन के म.प्र.प्रमुख श्री अमित बरेठा, विदेश व्यायपार निदेशालय के श्री प्रशांत बोकाडे, एमएसएमई विकास संस्थान इंदौर के सहायक निदेशक श्री आई तिर्के सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, मण्डीं व्यापारी, उद्योगपति, पहली बार उद्योग लगाने के इच्छुंक ट्रेडर्स, उद्योग संघ के प्रतिनिधि, पदाधिकारी आदि उपस्थित थे। कार्यशाला के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा, कि शासन प्रशासन का नये निवेशकों को बेहतर सहयोग मिल रहा है। युवा जिले में औद्योगिक निवेश के लिए आगे आए और निवेश कर नवीन उद्योग लगाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी औद्योगिक विकास एवं निवेश को बढावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। उन्होने कहा, कि एम.एस.एम.ई. सेक्टर का बजट 2019 में 6700 करोड़ था, जो आज बढ़कर 22 हजार करोड से अधिक हो गया है। नीमच औषधीय फसलों के लिए सुप्रसिद्ध क्षेत्र है, निवेश के लिए साहसी व्यापारियों के पीछे सरकार खडी है। सरकार शासन प्रशासन द्वारा नये औद्योगिक निवेशकों को हर संभव सहयोग किया जा रहा है। विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा, कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश का अच्छा वातावरण, एवं सुविधाएं उपलब्ध है। एम.एस.एम.ई सेक्टर में जिले में 2019-20 में 65 करोड़ का फायनेंस हुआ था, जो वर्ष 2023-2024 में बढ़कर 800 करोड़ से अधिक हो गया है। सरकार की नई औद्योगिक पॉलिसी एवं एमएसएमई पालिसी से औद्योगिक विकास हो रहा है। उन्होने उपस्थित निवेशकों से औषधीय उत्पादों, प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने का आव्हा न किया। विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने विश्वास दिलाया कि नीमच में निवेशकों को कोई असुविधा नहीं होगी। उन्होंने कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योग लगाने की अपील की। विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने कहा कि उद्योगपतियों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान किया जा रहा है, इससे नये उद्योग अवश्य आएंगे। उन्होने कॉलेजों में युवाओं को कार्यशाला आयोजित कर औद्योगिक विकास के लिए प्रेरित करने का सुझाव भी दिया। उन्होने कहा, कि जिले में प्रोसेसिंग क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं है

**नीमच में पांच सौ हेक्टेयर का लैण्ड बैंक उपलब्ध** -जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि औद्योगिक निवेश के लिए जिले के ट्रेडर्स, व्यापारियों और निवेशकों को सरकार द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विभिन्न सुविधाएं, ऋण अनुदान प्रदान किए जा रहे है। उद्योगपति, निवेशक अपने सुझाव व समस्याओं से अवगत कराए, उनका समाधान किया जावेगा। कलेक्टर ने कहा, कि जिला कलेक्टेर कार्यालय नीमच में जल्दी ही एक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन फेसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किया जा रहा है। निवेशकों, उद्योगपतियों को इस फेसिलिटेशन सेंटर से औद्योगिक निवेश एवं उद्योग स्थापना संबंधी संपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। कलेक्टंर ने कहा, कि जिले में 500 हेक्ट्येर से अधिक का लैण्ड बैंक तैयार होकर भूमि उद्योग, एम.एम.एम.ई विभाग को आवंटित की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने कहा, कि जिले में सुरक्षित वातावरण है। उन्हो ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से उद्योगो के लिए नीमच जिले में काफी सुरक्षित माहौल है। एसपी ने सभी से साईबर फ्राड के प्रति सतर्क एवं जागरूक रहने का आव्हान भी किया।

**राजस्थान के भीलवाडा से आकर उद्योगपति नीमच में लगा रहे नये उद्योग**–राजस्थान के भीलवाडा से आकर नीमच में सफल उद्योगपति बने श्री सुमित जागोरिया ने अपनी सफलता की कहानी बया करते हुए कहा कि भीलवाडा से 15-20 उद्योगपति नीमच में आकर अपने उद्योग लगा रहे हैं। ऐसे में नीमच के निवेशकों को भी आगे आना चाहिए। प्रदेश व जिले में औद्योगिक निवेश का अच्छा अवसर है और सुविधाएं है। उन्होने म.प्र.की एम.एस.एम.ई. पालिसी की सराहना करते हुए इसे निवेशकों के लिए लाभदायक बताया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ उठाकर उद्योग स्थापित करने वाले नीमच के श्री जीत किलेवाला ने भी अपनी सफलता की कहानी बया की। कार्यक्रम को उद्योगपति श्री रघुराज सिह चौरडिया, मण्डी व्यीापारी श्री नवल मित्तल ने भी अपने साझा किए। महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने जिले में स्थापित नवीन उद्योग, कलस्टर डेवलपमेंट, उपलब्धि लैण्ड बैंक एवं सुविधाएं औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध भूखण्ड, नीमच के निवेश के लिए अवसर एवं सम्भावनाएं, सुविधांए, एम.एस.एम.ई. पालिसी की विशेषताओं आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया। एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान के निदेशक श्री आई.तिर्के ने एम.एस.एम.ई. पालिसी, कलस्टर डेवलपमेंट, प्रोजेक्ट एप्रुवल प्रक्रिया, वित्तीय सहायक, कॉमन फेसीलिटी सेंटर आदि के बारे में बताया। फेडरेशन आफ इण्डियन एक्सपोर्ट आर्गेनाईजेशन के म.प्र.प्रमुख श्री अमित बरेठा ने उत्पादों के निर्यात संबंधी जानकारी पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी। विदेश व्यापार महा निदेशालय इंदौर के प्रतिनिधि श्री प्रशांत बोकाड़े ने उत्पादों की निर्यात संबंधी प्रक्रिया नियम आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में कृषि, डेयरी, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की सम्भावनाओं पर आधारित प्रजेन्टेशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना एवं बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रश्नोत्तर एवं सुझाव सत्र मे उपस्थितजनों की जिज्ञासाओं प्रश्नों का समाधान भी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। संचालन श्रीमती मंजूलाधीर ने किया तथा अंत में महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने आभार माना।

**नवीन उद्योगो की स्थापना के लिए हितलाभ वितरीत**– इस मौके पर सांसद श्री गुप्ताा व अतिथियों ने मुख्य मंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत श्री रोहित कुमार को अगरबत्ती उद्योग के लिए 10 लाख रूपये, पी.एम.एफ.ई.योजना के तहत दुग्ध प्रसंस्करण ईकाई के लिए प्रीतेश राठौर को 57.41 लाख रूपये एवं उमर फारूकी को गार्लिक प्रोसेसिंग उद्योग के लिए 10.92 लाख रूपये का हितलाभ भी वितरित किया गया। आरंभ में सांसद श्री गुप्ता ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ञयवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। अधिकारियों एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

# मंदसौर में निरस्त हुए बेसबॉल प्री-नेशनल कोचिंग कैम्प पर पूर्व विधायक ने लिया संज्ञान

**भोपाल के आला अधिकारियों से की चर्चा, मंदसौर में ही आयोजित करने का किया आग्रह**

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मन्दसौर में शिक्षा विभाग के क्रीड़ा अधिकारी की हठधर्मिता से आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय द्वारा प्रदान किया शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल की प्रतियोगिता का प्री-नेशनल कोचिंग कैंप निरस्त हो गया।इसको लेकर खिलाड़ियों ने पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया को अवगत कराया जिसके बाद श्री सिसोदिया ने भोपाल के अधिकारियों से चर्चा कर कैम्प पुन: मन्दसौर में ही आयोजित करने का आग्रह किया।

पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया को खिलाड़ियों ने अवगत कराते हुए बताया कि मंदसौर को शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल की प्रतियोगिता का प्री-नेशनल कोचिंग कैंप आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय द्वारा प्रदान किया गया था क्योकि 32 खिलाड़ी बालक-बालिका के दल में मंदसौर जिले के 13 खिलाड़ी नेशनल कोचिंग कैंप के लिए चयनित हुए थे, जिसके बाद आयुक्त के3 निर्देश अनुसार मंदसौर जिले को प्री नेशनल कोचिंग कैंप प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ था, किंतु शिक्षा विभाग के जिला क्रीड़ा अधिकारी बंशीलाल बारीवल द्वारा जिले के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना ही खिलाडियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हुए अपनी हठधर्मिता एवं पद का दूर उपयोग करते हुवे स्वत: ही कैंप निरस्त करने का निर्णय लेकर आयुक्तक को पत्र भेजकर कैंप निरस्त करने की मांग की गई।जबकि गत वर्ष भी मंदसौर जिले को बेसबॉल का प्री-नेशनल कोचिंग कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। छात्र खिलाड़ियो नें यह भी बताया कि पूर्व में भी क्रीड़ा अधिकारी द्वारा द्वारा कई खेलो के संभाग व राज्य स्तरीय क्रिकेट, रोलबॉल, सॉफ्टबॉल, हैंडबॉल आदि प्रतियोगिता का प्रतिनिधित्व करने से मना किया है। छात्र खिलाडियो द्वारा अवगत कराएं जाने के बाद पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने भोपाल के आला अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की और कहा कि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण द्वारा 26 नवम्बर को मन्दसौर में शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल की प्रतियोगिता का प्री-नेशनल कोचिंग कैंप आयोजिय करने के आदेश दे दिए गए थे लेकिन इसी तारीख को एक ही जावक नम्बर से छतरपुर के लिए आदेश जारी कर दिए गए। जबकि मन्दसौर इसके लिए पूरी तरह से पात्र हैं, यहां खेल प्रतिभाए है नेशनल कैम्प के लिये 13 खिलाड़ी चयनित भी हुए हैं इसलिए खिलाडियो के हित में मन्दसौर में ही नेशनल कैम्प का आयोजन किया जाए। भोपाल के अधिकारियों ने पूर्व विधायक सिसोदिया को आश्वस्त किया और कहा कि सोमवार को इस पूरे मामले पर आयुक्त से चर्चा कर खिलाडियो के हित में निर्णय किया जाएगा।

## सी एम डा.मोहन यादव से सीए जय मारू की लंदन में मुलाकात...

# मप्र बन रहा है दुनिया भर के इनवेस्टर की पहली पसंद

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** इन दिनों मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विदेश प्रवास पर है उनकी इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी निवेशकों के लिए सुविधाओं के द्वार खोलना है, मंदसौर के लिए गौरव का क्षण तब आया जब युवा आंत्रप्रेन्योर जय मारू ने उनसे लंदन में मुलाकात की और निवेश की दृष्टि से विभिन्न विषयों पर उनसे चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री इस बात से बेहद खुश हुए की उनके अंचल के एक नौजवान प्रदेश के विकास को लेकर दूरदृष्टिरखता है, जय मारू ने उनसे तकनीकी, कृषि,होटल,स्वास्थ्य, खनिज जैसे उद्योगों की प्रदेश में बेहतर सम्भावनाओ को लेकर चर्चा की। सीएम डॉ यादव ने बताया कि उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए 60 हजार करोड़ के प्रस्ताव मिल चुके है तथा वे निवेशकों के लिए अनेक बेहतर सुविधाएं प्रस्तावित कर रहे है। खासकर रिन्यूएबल एनर्जी, कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की के इंडियन डायस्पोरा में जय मारू जैसे नौजवान है जो विकसित प्रदेश की संभावनाओ को लेकर अपना विशिष्टनजरिया रखते है।मंदसौर के लिए गर्व करने का एक कारण और भी है कि जय मारू ओर मुख्यमंत्री की मुलाकात के सूत्रधार शहर के पत्रकार महेश लिलोरिया थे।जय मारू ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि प्रदेश सरकार निवेशकों के लिए बॉन्ड जारी करे जिस पर विचार करने का आश्वासन मुख्यमंत्री ने उन्हें दिया। चर्चा में सीएम डॉ यादव ने कहां कि मध्य प्रदेश निवेश के लिए भारत के सबसे आशाजनक राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। हमने नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, बुनियादी ढांचे और आईटी जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखी है, जिससे राज्य अवसरों का केंद्र बन गया है। हमारे राज्य में एशिया के सबसे बड़े सौर पार्क के साथ, हम खुद को नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहे हैं। पिछले दशक में कृषि क्षेत्र ने अपना उत्पादन तीन गुना कर लिया है, जो वैश्विक खाद्य मांगों को पूरा करने की राज्य की क्षमता को दर्शाती है।

**प्रतिनिधि मंडल से भी की मुलाकात**–मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में शामिल मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, विकास निगम लिमिटेड चंद्रमौली शुक्ला तथा एमपी इंडस्ट्रियल के प्रबंध निदेशक से भी जय मारू ने मुलाकात की।

# आदेश के बावजूद अधिकारी पेंशनर्स को लाभ देने में विलम्ब कर रहे

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** भारत पेंशनर समाज मंदसौर के जिला अध्यक्ष गोपालकृष्ण शर्मा एवं प्रांतीय सचिव कन्हैयालाल भावसार ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया की शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग में पेंशनरों को माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी वेतनवृद्धि का लाभ लाभ देने में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है।

शासकीय अधिकारी कर्मचारी को 30 जून या 31 दिसम्बर को रिटायर्ड होने पर इन्क्रीमेंट देने के लिए माननीय उच्च न्यायालय इंदौर द्वारा कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय दिए गये। म प्र शासन वित्त विभाग द्वारा भी 15 मार्च 2024 को परिपत्र जारी कर सम्बन्धित प्रशासकीय विभागों को न्यायालय के आदेश अनुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर जिला मंदसौर द्वारा भी दिनांक 28/3/24 को समस्त जिला अधिकारी को पत्र जरी कर निर्देशित किया गया की माननीय न्यायालय के निर्देशों का पालन करे व अवमानना की स्थिति निर्मित न होने दे। परन्तु अत्यंत आश्चर्य जनक स्थिति है की न्यायालय व वरिष्ठ अधिकारियो के स्पष्टनिर्देशों के बावजूद भी शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग में पेंशनर को लाभ नही मिलने से शिक्षा विभाग के सहायक शिक्षक सुश्री मिथलेश शर्मा, श्री कन्हैयालाल धाकड़, श्री गोपाल पालीवाल, श्री प्रभुलाल अमर्चिया, श्री राधेश्याम भवरलाल गुप्ता, श्री दिनेश कुमार शर्मा तथा क्रीडा अधिकारी श्री किशनलाल मेहरा के प्रकरण में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री हार्दिक माहेश्वरी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका प्रस्तुत की। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह, लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता ,जिला शिक्षा अधिकारी, जिला पेंशन अधिकारी एवं जिला कोषालय अधिकारी मंदसौर को जमानती वारंट जारी कर न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए। माननीय न्यायालय में उपस्थित होने के एक दिन पूर्व समस्त सक्षम स्वीकृति प्राप्त होकर जिला पेंशन अधिकारी से संशोधित पी पी ओ भी जारी कराकर शपथ पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किये गये। परन्तु श्री विष्णु नारायण मैहर सहायक शिक्षक ढाबला माधोसिंह के प्रकरण में न्यायालय के आदेश के बावजूद लाभ नहीं दिया जा रहा है जबकि बगेर लाभ मिले ही श्री मेहर का स्वर्गवास भी हो गया। स्वास्थ्य विभाग में भी ड्रेसर श्री सुरेश व्यास के प्रकरण में भी माननीय न्यायालय व वरिष्ठअधिकारियों के निर्देश के बावजूद 7 माह बाद भी इंक्रीमेंट का लाभ नहीं दिया जा रहा हे इस प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय में संबंधित सी एच एम ओ एवं कर्मचारियों के व्यक्तिगत नाम से अवमानना याचिका प्रस्तुत की जा रही है। संगठन द्वारा कलेक्टर से अनुरोध किया हे की उक्त स्थिति को संज्ञान में लेकर असंवेदनशील अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर प्रभावित पेंशनरों को न्याय दिलावे।

# बाल कवि बैरागी के साथ कविताओं का संकलन 'एक गुलदस्ता'

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** बालकवि बैरागी के साथ मनासा के कवियों की कविताओं का संकलन एक गुलदस्ता है जिसके पुष्पों से सामाजिक,राजनीतिक सुधार की ख़ुशबू समाज में फैलती है।

सोशल मीडिया के इस दौर में स्वरचित कविताओं को बचा कर रखना और मंजर ए आम पर लाना,हिम्मत परिश्रम और सराहना योग्य क़दम है। ये बात मध्यप्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ के प्रांतीय सचिवमण्डल सदस्य असअद अन्सारी ने कही। श्री अन्सारी नीमच जनवादी लेखक संघ के श्री विजय बैरागी द्वारा संपादित काव्य संकलन मनासा तब से अब तक पर आयोजित गोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन पीढ़ियों के कवियों ने सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं पर निशाना साधते हुवे कविताओं के माध्यम से सच्ची मन की बात कहने का सफ़ल प्रयास किया है। श्री अन्सारी राष्ट्रीय कवि बालकवि बैरागी की कविता का ज़िक्र करते हुवे उन की इस भावना का पुरज़ोर समर्थन किया कि जब चिंतन पर काई जम जाए तो समझो पीढी हार गई। इस अवसर पर प्रगतिशील लेखक संघ उपाध्यक्ष डॉ. स्वप्निल ओझा ने सम्पादक विजय बैरागी की प्रशंसा करते हुवे उनकी कविता में उल्लेखित इस भावना का समर्थन किया कि वर्तमान समय मे धर्मोन्माद फैलाने के प्रयासों को रोकने का दायित्व साहित्यकारों पर अधिक है और इस आड़ में राजनैतिक दलों के नापाक मनसूबों को नाकाम करना हम सब का दायित्व है। प्रलेसं के सचिव दिनेश बसेर ने दिवंगत साहित्यकार आलोक पंजाबी की कविता का वाचन करते हुवे कहा कि अब युवा साथियों को सामाजिक विसंगतियों और राजनैतिक व्यवस्थाओं से देश मे छा रहे अंधेरों के खिलाफ़ अपनी लेखनी के माध्यम से लड़ना होगा। वरिष्ठउपाध्यक्ष प्रकाश गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुवे कहा कि हमे साहित्य की मशाल को जलाए रखना होगा ।उन्होनें मनासा के साहित्यकारों के संकलन को उत्कृष्ट संकलन निरूपित किया। कार्यक्रम में हूरबानो सैफ़ी, आसिम अयूबी, नरेंद्र अरोरा, शमीम सिद्दीक़ी, जीवन साहू आसिफ़ अन्सारी उपस्थित थे। संचालन असअद अन्सारी ने किया और आभार माना रुहीना सिद्दीक़ी ने।

## ब्रह्म परिचय पत्रिका का प्रकाशन होगा

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सर्व ब्राह्मण समाज की प्रतिष्ठित 'ब्रह्म परिचय पत्रिका' का प्रकाशन होगा। जिसमें सर्व ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवक व युवती अपनी फोटो सहित जानकारी के नि:शुल्क प्रकाशन हेतु दिनांक 8 दिसम्बर 2024 तक 'ब्रह्म परिषद' द्वारा निर्धारित प्रपत्र को भरकर अथवा ऑनलाइन लिंक https://goo.gl/forms/Q3rMMh71mtpsF 3EW2 के माध्यम से भेजें। 'ब्रह्म परिचय पत्रिका' का विमोचन 'ग्यारहवें ब्रह्म सम्मेलन' में दिनांक 12 जनवरी 2025, रविवार को मन्दसौर (म. प्र.) में होगा। निर्धारित प्रपत्र प्राप्त करने व विस्तृत जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9827363040 पर सम्पर्क करें।

## मेहमान प्रवक्ता स्टेनोग्राफर एवं सेक्रेटेरियल असिस्टेन्ट अंग्रेजी के लिए आवेदन 5 दिसम्बर तक करें

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** संस्था प्रमुख शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सीतामऊ द्वारा बताया गया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सीतामउमेहमान प्रवक्ता स्टेनोग्राफर एवं सेकेटेरियल असिस्टेन्ट अंग्रेजी व्यवसाय के लिए नियुक्त करने हेतु आवेदक 5 दिसम्बर कार्यालयीन समय पर आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन के लिए आवश्यक योग्यता स्नातक डिग्री, आई.टी.आई. से संबंधित व्यवसाय में एनटीसी/एसटीसी प्रमाण पत्र, पॉलिटेक्निक से एम ओ एम में स्टेनोग्राफी अंग्रेजी के 100 शप्रमि उत्तीर्ण के साथ डिप्लोमा, स्टेनोग्राफी अंग्रेजी 100 शप्रमि उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, सीपीसीटी अंग्रेजी टाइपिंग के साथ उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र एवं कम से कम 1 वर्ष का मान्यता प्राप्त संस्था का कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की छाया प्रति होना आवश्यक है। पद हेतु आवेदकों का चयन संचालनालय कौशल विकास द्वारा निर्धारित योग्यता के प्राप्तांको एवं अनुभव के आधार पर किया जाएगा।

# लक्ष्मण ने काटे सुर्पणखा के नाक-कान, लहुलूहान होकर पहुंची रावण के पास, सीता का किया अपहरण

**नीमच, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** स्वर्ण लंकाधिपति रावण की बहन सुपनखा विवाहित थी सुपनखा का विवाह जिभ्यासूर से हुई था। इनका जन्म नाम वज्रमणी था और उपनाम सुपनखा था, इसके नाक और नाखून सुपडे के समान थे इसलिए नाम सुपनखा पड़ा। सुपनखा का पति जिभ्यासुर जिस किसी को भी जिव्हा से चाट लेता उसकी मौत हो जाती थी। इसलिए रावण ने स्वयं को मौत के डर से हत्या करवा दी थी। तभी से सुपनखा रावण से अपने पति की हत्या का बदला लेने की ठान चुकी थी। पंचवटी पर वनवास के दौरान श्री रामजी और लक्ष्मण से विवाह का प्रस्ताव लेकर गई थी तो वह झूठ बोली थी कि कुंवारी है। जनकनंदिनी माता सीताजी का अपहरण करने का सुझाव सुपनखा ने ही रावण को दिया था। सुपनखा ने पति का बदला लेने के लिए पूरी लंका का सर्वनाश करवा दिया उक्त बात रामलीला मंडल के संचालक प्रशान्त नवीन मिश्रा ने नाट्य कला रामलीला मंडल के द्वारा आयोजित 10 दिवसीय रामलीला मंचन के दौरान पंचवटी पर श्री राम और लक्ष्मण से सुपनखा (वज्रमणी) ने विवाह करने का प्रस्ताव रखा इसी प्रसंग पर धार्मिक रंगमंच से हजारों श्रद्धालुओं को जानकारी देते हुए कही। रामलीला मंचन के प्रारंभ में सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रद्धालु भक्तों ने रामायण ग्रंथ पर द्वीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर आरती की। मंच पर आमंत्रित अतिथि का स्वागत रामलीला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। श्री राम - जानकी और लक्ष्मण पिता की आज्ञा से 14 वर्ष के लिए वनवास पर निकले। इस दौरान चित्रकुट के घाट पर प्रभु श्री रामजी, लक्ष्मण और जानकीजी से मिलने राजा जनकजी, गुरु वशिष्ठ जी, मंत्री सुमंत, भरत,शत्रुघ्न, माता सुमित्रा, कैकेई और कोशल्या पहुंची, जहां सभी ने श्री राम से पुन: अयोध्या लौटने की खुब विनती करी। वनवास के दौरान पंचवटी पर एक कुटिया बनाकर कुछ दिन रुके इसी दौरान रावण ने श्री राम को सीता जी से दूर करने माध्यम बनाया मामा मारीच से मृग बनने को कहा माता जानकी ने श्री राम से मृग को पकड़ने को कहा इधर रावण ने छल-कपट से साधू का भेष में माता सीताजी का अपहरण कर लिया। इन दिनों नगर में चल रही रामलीला मंचन से पूरे नगर में धार्मिक माहौल बना हुआ है जिससे नगर श्री राम मय बना हुआ है। भगवान श्री राम , लक्ष्मण माता सीता, लंकापति रावण ,श्री हनुमान जी ,बाली, सुग्रीव सभी कलाकार बड़े ही बेहतरीन ढंग से पात्रों का मंच पर अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपना कायल बना रहे हैं।प्रतिदिन रामलीला मंचन की धर्म गंगा में हजारों श्रद्धालुजन भक्ति की सरिता में गोते लगा रहे हैं।

**रामलीला रंगमंच पर होगा राम शबरी और राम हनुमान संवाद का मंचन आज**– 10 दिवसीय राम जी की लीला मंचन के आयोजन में दसवें दिन आज 30 नवम्बर शनिवार को रात्रि 7 बजे से दुर्गा वाटिका विकास नगर मंदिर पर चल रही है जिसमें रामलीला रंगमंच पर राम शबरी,राम हनुमान भेंट संवाद प्रसंग का नाट्य रुपांतरण का मंचन किया जाएगा। रविवार को बालि वध की लीला विषय पर रामलीला होगी। सोमवार को लक्ष्मण को शक्ति लगने सहित विभिन्न धार्मिक विषयों पर प्रस्तुति दी जाएगी।रामलीला मंचन समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की समस्त धर्मप्रेमियों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में निर्धारित समय पर पहुंच कर धर्म लाभ लें।

## दंबग अभिनय कर दर्शकों को अपना कायल बना रहे हैं कलाकार

**नीमच, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** रामलीला में बड़े-बड़े नगरों मेंअभिनय कर चुके बुलंद आवाज के धनी कलाकार इन दिनों विकास नगर दुर्गा वाटिका में आयोजित रामलीला मंचन में रंगारंग धार्मिक मंच पर लंकाधिपति रावण का बेहतरीन ढंग से किरदार का अभिनय कर दर्शकों को अपना कायल बना रहे है। इन दिनों विकास नगर दुर्गा वाटिका पर विगत दिवस2 1 अक्टूबर से चल रही रामलीला में मशहूर कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक रामायण ग्रंथ के मुख्य नायक और सभी पात्रों का किरदार का अभिनय बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत कर दर्शकों के दिलों को छू रहे हैं। बाली -सुग्रीव के बीच भीषण युद्ध हुआ इस दौरान भगवान श्री राम ने सुग्रीव से की गई मित्रता निभाते हुए एक पेड़ की आड़ लेकर बाली को तीर मारकर मोक्ष दिया। श्री रामजी की सुग्रीव और हनुमान जी से भेट हुई। हनुमान जी का लंका में प्रवेश, जनकनंदिनी माता सीताजी से हुई भेट और अशोक वाटिका में हनुमानजी ने श्री राम जी का प्रताप दिखाते हुए पूरी अशोक वाटिका को उजाड़ना व हनुमान जी को रोकने आए इन्द्रजीत, मेघनाथ सहित रावण के कई योद्धाओं को पहुंचाया। यमलोका पहुंचाते हुए लंका में लगाई आग, रावण पुत्र मेघनाथ से हनुमानजी की हुई भिडंत तो मेघनाथ ने हनुमानजी को ब्रह्मफांस में बांधकर रावण के सम्मुख ले गए जैसे कई प्रसंगों को बड़े ही मार्मिक ढंग से कलाकारों द्वारा अपने- अपने किरदारों का बड़े ही बेहतरीन ढंग से अभिनय किया। रामलीला मंचन का प्रतिदिन बडी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। रामलीला रंगमंच पर महिला पात्र सहित धार्मिक भजनों पर उत्कृष्टढंग से नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह रही है।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 136 | 2250 | 2370 |
| उडद | 31 | 4800 | 6399 |
| सोयाबीन | 4500 | 3851 | 4391 |
| गैहु | 1360 | 2701 | 3100 |
| चना | 262 | 5200 | 6410 |
| मसुर | 100 | 5200 | 6148 |
| धनिया | 130 | 5931 | 7051 |
| लहसुन | 11000 | 14000 | 30000 |
| मैथी | 455 | 4690 | 5760 |
| मुंगफली | 5000 | 3600 | 5252 |
| अलसी | 850 | 5500 | 6100 |
| सरसो | 186 | 5400 | 5780 |
| तारामीरा | 0000 | 0000 | 0000 |
| इसबगोल | 46 | 10700 | 13000 |
| प्याज | 12500 | 1220 | 3900 |
| कलोंजी | 5 | 13400 | 15001 |
| तुलसी बीज | 1 | 15852 | 15852 |
| डॉलर | 17 | 6400 | 12400 |
| तिल्ली | 28 | 9032 | 12301 |
| जौ | 3 | 2546 | 2546 |
| मटरसुखी | 2 | 5526 | 6611 |
| असालीया | 10 | 10800 | 11801 |
| चियाबीज | 4 | 12801 | 15180 |

# रिश्वतखोरी का बदलता चेहरा: बिचौलियों का उपयोग और अधिकारी का बचाव तंत्र

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में रिश्वतखोरी का मामला तेजी से सुर्खियों में है, जहां अधिकारियों ने रिश्वत लेने का नया तरीका अपनाया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रही लोकायुक्त और सीबीआई जैसी संस्थाओं ने हाल ही में इस क्षेत्र में कई छापेमारी की, लेकिन अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़ने में सफलता नहीं मिली। इसके विपरीत, इन मामलों में बिचौलियों को ही पकड़ा गया, जिन्होंने अधिकारियों के लिए रिश्वत लेने का काम किया। यह घटनाएं इस बात का संकेत देती हैं कि भ्रष्ट अधिकारी अब और भी सतर्क हो गए हैं और उन्होंने अपनी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए नई रणनीतियों का सहारा लेना शुरू कर दिया है।**

**बिचौलियों का बढ़ता इस्तेमाल–** जिले के अधिकारियों को यह स्पष्ट हो चुका है कि रिश्वत मांगने वाले व्यक्ति उन्हें ट्रैप करवा सकते हैं। इसलिए, उन्होंने बिचौलियों का उपयोग शुरू कर दिया। इस तरीके से, अधिकारी सीधे रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के जोखिम से बच सकते हैं और पकड़े जाने पर बिचौलियों के माध्यम से निर्दोष होने का दावा कर सकते हैं। 22 नवंबर 2024 को लोकायुक्त की टीम ने मेडिकल संगठन के अध्यक्ष मनीष चौधरी को 26 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। यह रकम ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार के लिए ली जा रही थी। इसी प्रकार 29 नवंबर को सीबीआई ने मंदसौर नारकोटिक्स विभाग के सब इंस्पेक्टर अभिषेक अग्निहोत्री के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पाया कि उन्होंने अन्य कर्मचारियों के माध्यम से 1 लाख से अधिक की रिश्वत ली थी। इसके अलावा, 30 नवंबर को गरोठ में लोकायुक्त की टीम ने श्याम सिंह को उपनिरीक्षक सुभाष गिरी के लिए 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

नेमीचंद राठौर

**एजेंसियों के सामने चुनौती–** इन मामलों में एक समानता यह रही कि हर बार बिचौलिए पकड़े गए, लेकिन अधिकारियों तक पहुंचने के लिए एजेंसियों को विशेष प्रयास करने पड़े। जब कोई बिचौलिया पकड़ा जाता है, तो अधिकारी दावा कर सकते हैं कि उन्होंने किसी को रिश्वत लेने का निर्देश नहीं दिया। इसका लाभ उठाकर वे कानूनी प्रक्रियाओं में बचने की कोशिश करते हैं। यह स्थिति लोकायुक्त और सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि रिश्वतखोरी के असली सूत्रधार को साबित करना और उनके खिलाफ कार्रवाई करना कठिन हो गया है।

**भ्रष्टाचार पर कानूनी और नैतिक प्रभाव–** भ्रष्टाचार के इस बदलते स्वरूप का सीधा प्रभाव कानून और समाज पर पड़ता है। अधिकारियों द्वारा बिचौलियों के माध्यम से रिश्वत लेना न केवल कानूनी प्रक्रिया को जटिल बनाता है, बल्कि यह जनता के मन में भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों की कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़े करता है। जब अधिकारी अपने बचाव के लिए कानूनी प्रक्रियाओं का दुरुपयोग करते हैं, तो न्यायपालिका के समक्ष साक्ष्यों को सिद्ध करना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर, यह स्थिति समाज के लिए भी हानिकारक है। जनता का विश्वास इस बात पर से उठ जाता है कि भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जा सकता है। ऐसे मामलों में बिचौलियों की गिरफ्तारी से आम लोगों में यह संदेश जाता है कि असली अपराधी बच निकलते हैं, जिससे भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिलता है।

**भविष्य की दिशा–** लोकायुक्त और सीबीआई जैसी एजेंसियों को अब अपनी रणनीतियों में बदलाव लाना होगा। बिचौलियों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उन्हें ऐसे ठोस सबूत जुटाने होंगे, जो अदालत में अधिकारियों के खिलाफ मजबूत मामला पेश कर सकें। इसके अलावा, तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल, जैसे फोन रिकॉर्डिंग और निगरानी, भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब करने में मददगार हो सकते हैं। यह भी जरूरी है कि समाज के हर वर्ग को भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक किया जाए। जब तक जनता सक्रिय रूप से भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगी, तब तक इस समस्या को खत्म करना कठिन होगा। अंत में, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन मामलों में न्यायपालिका क्या निर्णय लेती है। क्या ये अधिकारी अपने बचाव के तरीकों में सफल होंगे, या फिर एजेंसियां उन्हें सजा दिलाने में कामयाब होंगी? यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई अभी लंबी है।

# विहिप बजरंग दल द्वारा रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम के तहत मिनी मैराथन प्रतियोगिता सम्पन्न

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मंदसौर द्वारा संस्कार सप्ताह के अंतर्गत रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पर्यावरण, नशामुक्ति, एवं यातायात नियम पर जानकारी दी गई एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर मिनी मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1500 तथा द्वितीय 1100 तथा तृतीय 751 नगद राशि के रूप में दिया गया, एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बालिकाओं को प्रथम द्वितीय तृतीय क्रम में शिल्ड वितरण की गई।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत से श्री गुरुचरण बग्गा, विहिप के जिला अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह मंडलोई एवं शहर कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्रसिंह उपस्थित रहे। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने, पर्यावरण की सुरक्षा करने तथा यातायात नियमों का सही से पालन करने के संबंध में अपना उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन बजरंगदल संयोजक मनीष भाटी ने किया तथा आभार प्रखंड मंत्री गौरव शर्मा ने माना। इस अवसर पर विहिप के जिला मंत्री हेमंत बूलचंदानी, अमरदीप कुमावत, अंतिम देवड़ा, नवनीत पारिख, रूपनारायण मोदी, प्रतीक व्यास, शंकर शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष कन्हैया लाल सोनगरा, विनोद प्रजापत, हरीश राव, लक्की गोसर, अंकित चौहान, सूरज कुमावत, गौरव गौड़, रितेश मतराना, गोविंद नागदा, वैभव खत्री, शुभम माली, आदि विहिप एवं बजरंगदल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।। कार्यक्रम के पश्चात, अल्पाहार की व्यवस्था भी विहिप बजरंदल द्वारा सभी प्रतियोगी बालक बालिकाओं के लिए की गई, जिसमे सभी को फल एवं स्वास्थ्य वर्धक पेय वितरित किया गया।।

# सामाजिक विज्ञान का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

**मंदसौर/नाहरगढ़, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** बोर्ड परीक्षा का परिणाम उत्कृष्ट रहे इस उद्देश्य से सामाजिक विज्ञान का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिला मास्टर ट्रेनर्स राधेश्याम व्यास ने निदानात्मक कक्षा को संचालन कर कमजोर विद्यार्थियों को किस प्रकार से शिक्षण किया जावे इस पर जानकारी दी गयी। मास्टर ट्रेनर्स दीपक टेलर द्वारा नयी विधियों से छात्रों के शिक्षण पर मार्गदर्शन दिया।भंवरलाल माली ने भूगोल के मानचित्र को रोचक तथ्य के द्वारा किस प्रकार से विद्यार्थियों को समझाए इस पर जानकारी दी गयी।अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी लोकेंद्र डाभी द्वारा शिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बताया कि बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहे इस के लिए निदानात्मक कक्षा, साप्ताहिक टेस्ट व विशेष कक्षाओ, का नियमित संचालन किया जावे। प्रशिक्षण में शिक्षिका मनीषा साहू, लता मंगल सरतालिया, स्नेहलता वैष्णव व शिक्षक कीर्तिपाल सिंह सिसोदिया व श्रवण सोनी,अशोक कुमार शर्मा सभी का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी राधेश्याम व्यास मास्टर ट्रेनर्स ने दी।

# कथक देश की प्राचीन और परंपरागत नृत्य विधा–सम्राट चौधरी

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** हमारे देश की प्राचीन और परंपरागत संस्कृति में नृत्य संगीत कला बहुत महत्वपूर्ण स्थान रहा है ,कालांतर में राजा महाराजाओं ने भी इन कलात्मक विधाओं को प्रश्रय दिया और आगे बढ़ाया , आज भी देश काल परिस्थितियों के बदलाव के बाद इसका महत्व कम नहीं हुआ है यह कहना है अंतरराष्ट्रीय कथकनृत्य कलाकार डॉ सम्राट चौधरी का , यह कथन आपने मंदसौर के लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कथक कार्यशाला 'नृत्य प्रवाह' के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किये।

कथक नृत्यकार डॉ सम्राट चौधरी ने इस मौके पर बताया कि कथकनृत्य शास्त्रीय विधा है इसका आशय कथाओं को नृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत करना। इसका इतिहास भी प्राचीन है और वेदों , पुराण , रामायण , महाभारत आदि ग्रंथों में भी उल्लेख मिलता है। कथकनृत्य में पैरों की गतिशीलता अधिक और तीव्रता के साथ प्रदर्शित होती है , कथा को शारिरिक भाषा से अभिव्यक्ति दी जाती है। उत्तर भारत के सभी प्रान्तों के साथ सम्पूर्ण भारत में कथकनृत्य प्रचलित है। डॉ चौधरी के अनुसार मुख्य रूप से कथकनृत्य के जयपुर , लखनऊऔर वाराणसी घरानों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता है। प्रशिक्षण केन्द्र , संगीत महाविद्यालय , नाट्यकला केंद्र पर कथकनृत्य सिखाया जारहा है और इसमें बालिकाओं , युवतियों , महिलाओं के साथ युवक व पुरुषों में भी अच्छी रुचि देखने में आरही है। कथकनृत्य कार्यशाला नृत्य प्रवाह शुभारंभ अवसर पर जनपरिषद अध्यक्ष डॉ घनश्याम बटवाल , मानव अधिकार आयोग मित्र श्री ब्रजेश जोशी , केंद्रीय विद्यालय प्रिंसिपल श्रीमती नीलांजनी प्रसाद , वरिष्ठपत्रकार श्री महावीर प्रकाश अग्रवाल अतिथि रहे। स्वागत उद्बोधन एवं परिचय संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने देते हुए जानकारी दी कि डॉ सम्राट चौधरी मूलत: त्रिपुरा के हैं और वर्तमान में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा संगीत महाविद्यालय में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ चौधरी श्रीलंका , नेपाल के अलावा मुंबई , दिल्ली , कोलकाता , जयपुर , भुबनेश्वर , रायपुर , भोपाल , उज्जैन सहित देशभर में प्रस्तुतियां दे चुके हैं। साथ ही राष्ट्रपति भवन , प्रधानमंत्री निवास एवं संगीत समारोह में भी कथकनृत्य प्रस्तुत किये हैं। श्री त्रिवेदी ने जानकारी दी कि डॉ सम्राट चौधरी ने कथकनृत्य विधा में पी एच डी उपाधि प्राप्त कर सारे देश के विभिन्न अंचलों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंदसौर संगीत महाविद्यालय की कथकनृत्य कार्यशाला में प्रशिक्षण दे रहे हैं। लतामंगेशकर संगीत महाविद्यालय प्रिंसिपल डॉ उषा अग्रवाल ने कथकनृत्य कलाकार डॉ चौधरी का स्वागत किया और कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं , युवतियों से परिचय कराया। कार्यशाला शुभारंभ अवसर पर संगीतज्ञ निशांत शर्मा , अतुल साकेत , दीपक राव , श्रीमती सन्नाली शर्मा , राजू गंधर्व आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन डॉ अल्पना गांधी ने किया।

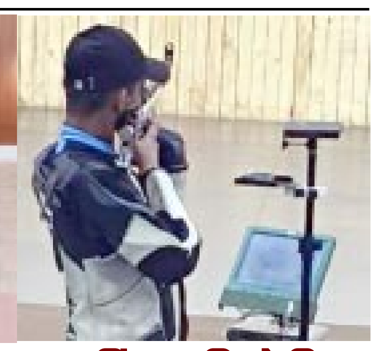

# राज्य स्तरीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में दिव्या, पृथ्वीराज और आदित्य का चयन

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** स्कूली शालेय राज्य स्तरीय राइफल/पिस्टल शूटिंग एसजीएफआई प्रतियोगिता भोपाल में आयोजित की गई जिसमें उज्जैन संभाग से मंदसौर सेंट थॉमस विद्यालय के पृथ्वीराज सिंह राठौड़ 19 वर्षीय पीपी साइड, आदित्य भावसार 19 वर्षीय ओपन साइड, दिव्या गोस्वामी ओपन साइड 19 ,वर्षीय वर्ग में इन खिलाड़ियों ने मंदसौर से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता भोपाल में शिरकत की। यहां प्रतियोगिता भोपाल मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी दिल्ली पब्लिक स्कूल भोपाल एवं बाल भवन विद्यालय श्यामला हिल्स भोपाल में आयोजित की गई इस अवसर पर तीनों छात्र-छात्राओं को विद्यालय मैनेजर फादर जॉनसन विद्यालय प्राचार्य सिस्टर अभया, जिला दशपुर राइफल शूंटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय सिंह पुरावत, उपाध्यक्ष प्रहलाद (पिंटू) शर्मा, उपाध्यक्ष सचिन जैन, कोषाध्यक्ष भारती ललित परमार, आदि ने छात्रों को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

# विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर और रांगोली प्रतियोगिता सम्पन्न

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रति वर्ष की भांति एक दिसम्बर को विश्व एडदिवस माना जाता है। इसी कड़ी में विश्व एडस पूर्व संध्या पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान के मार्गदर्शन में अधिकारों की राह अपनाएं –मेरा स्वास्थ्य , मेरा अधिकार की थीम के आधार एच.आई.वी./एडस के प्रचार प्रसार हेतु जिला एडरोकथाम एवं नियंत्रण इकाई एवं श्रीजी इंस्टिट्युट ऑफ नर्सिग साईस मन्दसौर के समन्वय से छात्र एवं छात्राओं द्वारा पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें छात्र एवं छात्राओं द्वारा एच.आई.वी./एडस सम्बंधी संदेश रंगोली एवं पोस्टर पर निखारे। उक्त कार्यक्रम से कालेज के समस्तो छात्र जाग्रत हुए होगे।

नोडल अधिकारी डॉ. निशांत शर्मा ने बतलाया कि विश्व एड स दिवस के अवसर पर रैली एवं मानव श्रृखला को आयोजन जिला चिकित्सालय परिसर प्रात: 10.00 बजे रखा गया है। इसके अलावा जिले में स्कुलों एवं रेड रिवन कालेजो में कार्यक्रम आयोजित होगे। इस अवसर मुख्य अतिथी के रूप में श्री राजेश रजक (क्लीनिकल सर्विस आफिसर) सी.एम.एच.ओ. आफिस से एवं जिला चिकित्सालय से दीप्ति साहु (काउंसलर) उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यक्रम समन्वय धमेन्द्र सिंह व नर्सिंग अध्यापक-हिमांशी आसवानी, भक्ति परमार, स्वाति कुमावत व दीपक धाकड़ उपस्थित थे। अंत में महाविद्यालय के संचालक श्री दीपक सैनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

# आज विश्व में सबसे अधिक मांग एवं प्रभुत्व भारतीय सीए का है–सीए जैन

## मंदसौर सीए ब्रांच द्वारा करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर सीए शाखा द्वारा द्वारा इस सत्र में सीए कोर्स के प्रति जागरूकता अभियान के अंतर्गत करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 30 नवम्बर को करियर काउंसलिंग कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्तर माध्यमिक विद्यालय बालागंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंदसौर सीए ब्रांच अध्यक्ष सीए श्री दिनेश जैन, विद्यालय प्राचार्य सुदीप दास ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर सीए दिनेश जैन ने उद्बोधन में करियर काउंसलिंग की सार्थकता के बारे में बताया और कहा कि सीए की सेवाओं के बिना कोई भी व्यवसाय प्रगति नहीं कर सकता। आज विश्व में सबसे अधिक मांग एवं प्रभुत्व भारतीय सीए का है। श्री सुदीप दास ने अपने उद्बोधन में मंदसौर सीए ब्रांच के प्रयासों की सराहना की और कहा ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों को सही करियर विकल्प चुनने में सहायता मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अधिकृत करियर काउंसलर सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि सीमित धन के साथ सीए कोर्स को प्रतिभा के बल पर उत्तीर्ण किया जा सकता है। सीए कोर्स करने में माता पिता के ऊपर कोई आर्थिक बोझ नहीं आता है। सीए कोर्स के दौरान भी विद्यार्थी को स्टाइपेंड से आर्थिक बल मिलता है। कार्यक्रम में करियर काउंसलर श्री चेतन गुप्ता ने सीए कोर्स के बाद किन क्षेत्रों में अपना योगदान दे सकते है एवं सीए हेतु उपलब्ध विभिन्न अवसर पर प्रकाश डाला।

# कृषक अपने खेत पर फसल अवशेष नहीं जलायें–कलेक्टर

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया गया जिले में गेंहू की फसल काटने के उपरांत कोई भी कृषक अपने खेत पर फसल अवशेष नहीं जलायें। यदि कोई व्यक्ति/संस्था गेंहू/धान की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों को जलाता है तो मुआवजा अदा करना होगा।01 एकड़ या उससे कम भूमि धारक 2500 रू प्रति घटना, 02 एकड़ या उससे अधिक लेकिन 05 एकड़ से कम भूमि धारक 5000 रू प्रति घटना, 05 एकड़ या उससे भूमि धारक 15000 रूपये प्रति घटना के अनुसार मुआवजे का प्रावधान होगा।

# बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन करना हुआ आसान–ऊर्जा मंत्री

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से विद्युत कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है। अब उपभोक्ताओं को उनके परिसरों में पूर्व से विद्यमान कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करना बेहद आसान हो गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर से संबंधित नाम में परिवर्तन करना है वह कंपनी की वेबसाइट https://portal.mpcz.in/web/ में एलटी सर्विसेस के एलटी अदर सर्विसेस में दिये गये नेम ट्रांसफर अथवा सीधे https://saralsanyojan.mpcz.in/:8888/home पर जाकर अदर यूजफुल लिंक्स में दिये गये अप्लाय फॉर अदर सर्विसेस के माध्यम से आसानी से करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि विद्युत उपभोक्ताओं को नाम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के दौरान अपना आईवीआरएस नंबर, संबंधित समग्र आईडी, पैन कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के उपरांत लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर निर्धारित शुल्क 170 रूपये का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन देने के पश्चात उपभोक्ता आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं।

# सरस्वती विद्या मंदिर में संकुलश: आचार्य अभ्यास वर्ग संपन्न

**मंदसौर, 30 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** संकुल केंद्र सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर, मंदसौर में विद्या भारती की योजनानुसार माह नवम्बर का आचार्य अभ्यास वर्ग संकुलश: आयोजित हुआ जिसमें मंदसौर विभाग के अन्तर्गत केशव नगर, अभिनन्दन नगर मंदसौर, सीतामऊएवं कैलाशपुर विद्याल के 70 आचार्य ध्दीदी सहभागी रहे।

अभ्यास वर्ग प्रात: स्मरण एवं व्यायाम श्रृंखला के साथ प्रारंभ हुआ जिसमे योग, प्राणायाम के साथ शारीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया गया एवं आचार्य दीदी को मार्गदर्शन दिया गया कि किस प्रकार भैयाध्बहिनों का शारीरिक मूल्यांकन करना है। वर्ग के उद्धघाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति के सदस्य श्री प्रमोद जी सेठिया, केशव नगर, विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष जी यादव मंचासीन रहे। साथ ही केशव नगर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजपालसिंह जी सिसौदिया, अभिनन्दन नगर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुकेश जी पाठक, सीतामऊके प्रधानाचार्य श्री रोहित जैन, कैलाशपुर के प्रधानाचार्य श्री शुभम जी खींची एवं चारों विद्यालय का आचार्य परिवार उपस्थित रहा। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में मार्गदर्शन किया कि हमें समाज में रहकर अपनी संस्कृति, परम्परा को बनाए रखना समाज में प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति की सहायता करना हमारा कर्तव्य होता है, हमारे मन में उँच्च-नीच, अपना-पराया, भेद-भाव जैसी हिन भावना नही होनी चाहिए इस विषय पर मुख्य अतिथि एवं आचार्य परिवार ने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया अतिथि परिचय अभिनन्दन नगर के प्रधानाचार्य श्री मुकेश जी पाठक एवं स्वागत केशव नगर के प्रधानाचार्य श्री राजपालसिंह जी सिसौदिया व सीतामऊ के प्रधानाचार्य श्री रोहित जी जैन ने किया। अमृत वचन अभिनन्दन नगर विद्यालय के दीदी श्रीमती चंचल मोदी एवं गीत श्रीमती लक्ष्मी जादोन दीदी ने प्रस्तुत किया।संचालन केशव नगर विद्यालय की दीदी सुश्री प्रियांशी हलकारा ने किया। साथ ही अन्य सत्रों में शिशु विभाग से लेकर उच्तर, माध्यमिक विभाग तक के आचार्य दीदी ने अपनी पाठयोजना पंचपदी एवं नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर प्रस्तुत किया और प्रत्येक आचार्यध्दीदी ने स्वयं एवं अन्य सहयोगी आचार्यध्दीदी का भी मूल्यांकन किया। अभ्यास वर्ग के समापन एवम् विमर्श सत्र में विभाग के परीक्षा संयोजक एवं केशव नगर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान राजपालसिंह जी सिसौदिया ने परीक्षा विषय पर सभी को मार्गदर्शन एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए जिसमें परीक्षा पर्यवेक्षक, मूल्यांकन एवं परिणाम तीनों विषय का समावेश करते हुए रोचक ढंग से अपने विषय को प्रश्न उत्तर कौशल द्वारा प्रस्तुत किया। अंत में आभार सीतामऊविद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रोहित जी जैन ने माना एवं शांति मंत्र के साथ अभ्यास वर्ग का समापन हुआ।

## कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक /24 मंदसौर, दिनांक 29.11.2024

**विज्ञप्ति**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एसी 5164 जो कि इस कार्यालय मंदसौर में कचरुलाल पिता चौथमलजी निवासी रिछा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 03.06.2022 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती कांतिबाई पति कचरुलाल, निवासी रिछा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

**अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर**

**स्व. श्री एस.के. मतलानीजी की पंद्रहवी पावन स्मृति में**

(निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर)

जिला अंधत्व नियंत्रण समिति, मंदसौर की प्रशासनिक अनुमति व श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय, मंदसौर के सहयोग से एवं

**सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शनस प्रा. लिमिटेड ग्राम थड़ोद, जिला-मंदसौर**

के सौजन्य से आयोजित

**विशाल निःशुल्क**

नेत्र परीक्षण शिविर एवं निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर

**दिनांक-04 दिसम्बर 2024, बुधवार**

समय-प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक

स्थान-सोनिक कृषि बाजार, महू नीमच रोड, टोल टेक्स नाके के पास, ग्राम थड़ोद, जिला मंदसौर (म.प्र.)

✻ शिविर में सभी नेत्र रोगियों की नजर, चश्मे, कालापानी, मोतियाबिन्द, नासूर, पर्दे की बीमारी आदि की जांच निःशुल्क की जावेगी। ✻ परीक्षण पश्चात ऑपरेशन योग्य मरीजों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन (लेंस प्रत्यारोपण सहित) श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर में निर्धारित दिनांक को निःशुल्क किये जाएंगे। ✻ ऑपरेशन के लिए भर्ती मरीजों को चाय, बिस्किट, भोजन एवं बिस्तर (ओढ़ने का साधन साथ लावें) श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करवाएं जाएंगे। ✻ मरीज को नेत्र चिकित्सालय पहुंचाने व वापस लाने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। ✻ मरीज के साथ एक सहायक को नेत्र चिकित्सालय में रहने की अनुमति होगी। ✻ ऑपरेशन हेतु भर्ती के लिए आने वाले मरीजों को स्वयं के आधारकार्ड की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य है। ✻ ऑपरेशन पश्चात प्रथम परीक्षण सप्ताह बाद व दूसरा परीक्षण एक माह बाद शिविर स्थल पर ही होगी। ✻ ऑपरेशन हुए मरीजों को नजर के चश्मे श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर द्वारा निःशुल्क दिए जावेंगे।

**अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें.....**

✻ श्री लाभमुनि नेत्रालय, मंदसौर (म.प्र.) 458001, मोबाईल-7067317362, 9685965017

✻ सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शनस प्रा. लिमिटेड ग्राम थड़ोद

मो.-7898912152, 7898920433, 97898920434, 97898920435, 97898920438, 9630184858, 7415845122

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in